19

चीला रोटी

कक्षा–तीसरी

क्रमिक अधिगम सामग्री

यह पुस्तक छत्तीसगढ़ के शिक्षकों द्वारा पढ़ने के विशेष तकनीक को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह क्रमिक अधिगम सामग्री बच्चों को तेज गति से पढ़ने में मदद करेगी।

एक बार जॉन रामपुर गाँव पहुँचा। वह बाजार और चौपाल की फोटो खींच रहा था।

1

जॉन ने चीला रोटी और काकी की फोटो खींची। उसे वाट्स एप पर डाला। देश भर में चीला रोटी की बहुत तारीफ हुई। चीला प्रसिद्ध हो गया।

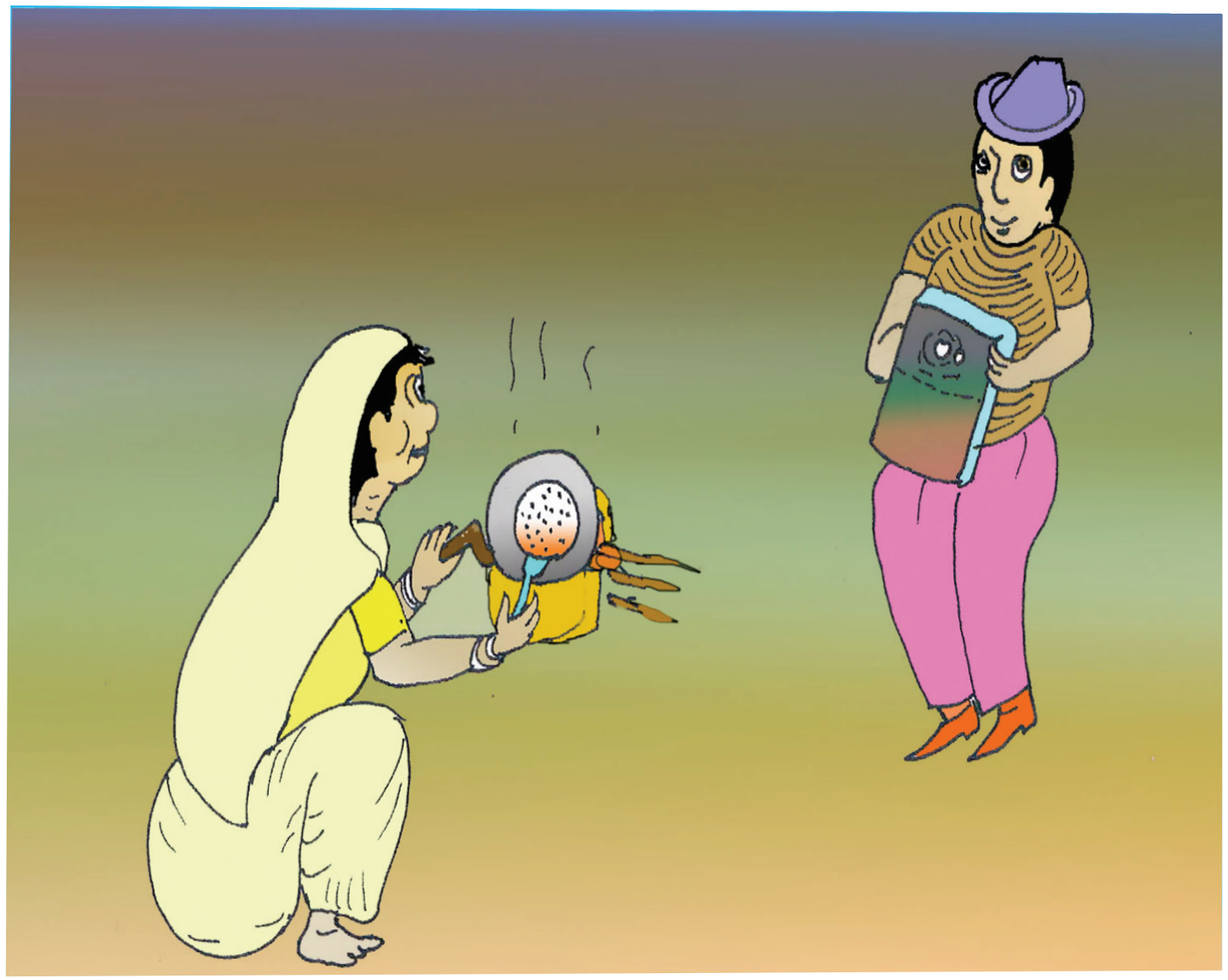

6

जॉन बोला– ''काकी, चीला तो बहुत स्वादिष्ट है। इसमें इतने छेद करने में बहुत समय लगा होगा ना।'' बूढ़ी काकी बोली– ''नहीं बेटा, इसमें छेद अपने आप बन जाते हैं। आओ मैं तुम्हें चीला बनाकर दिखाती हूँ।''

बूढ़ी काकी के घर से पकवान की खुशबू आ रही थी। जॉन को भूख लग रही थी।

तभी बूढ़ी काकी बाहर निकली। उसने जॉन से कहा– ''बेटा, क्या तुम चीला रोटी खाओगे।'' उसने जॉन को चीला और टमाटर चटनी खाने को दिया।

जॉन ने चीला को देखकर सोचा– ''अरे! इस चीला रोटी में तो बहुत सारे छेद बने हुए हैं।'' वह चीला रोटी को चटनी के साथ खाने लगा।